खबर संक्षेप

लोक सेवा गारंटी कानून में लापरवाही भारी

शहडोल। मध्य प्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम 2010 के तहत आम जनता को निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं न देना अफसरों को भारी पड़ गया है। लोक सेवा के आवेदनों का समय पर निराकरण न करने और ढिलाई बरतने के मामले में शहडोल कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाया है। 22 सितंबर से 27 सितंबर 2026 के मध्य लंबित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने 6 जिम्मेदार पदाभिहित अधिकारियों पर कुल 5 हजार रुपये का एकमुश्त अर्थदंड अधिरोपित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन अधिकारियों के पास विवाह पंजीयन, जन्म अप्राप्तता प्रमाण पत्र तथा मृत्यु अप्राप्तता प्रमाण पत्र प्राप्त करने से संबंधित कई आवेदन लंबे समय से बिना किसी वैध कारण के पेंडिंग पड़े हुए थे। लोक सेवा गारंटी अधिनियम की धारा 5(1) एवं 5(2) के तहत बिना किसी युक्तियुक्त कारण के आवेदनों को लटकाए रखने पर इन अधिकारियों को दोषी माना गया। इसके बाद द्वितीय अपीलीय अधिकारी के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर ने अधिनियम की धारा 7(1)(क)(ख) के अंतर्गत यह दंडात्मक कार्रवाई की।

इन अधिकारियों पर गिरी गाज जारी दंडात्मक आदेश के अनुसार नगर पंचायत खांड के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र कुशवाहा पर सर्वाधिक 1500 रुपये की शास्ति लगाई गई है। इसके अलावा जयसिंहनगर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पतरियाटोला के सचिव/पदाभिहित अधिकारी इंद्रपाल सिंह पर 1000 रुपये तथा गौहपारू जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी-1 के राम सिंह पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसी क्रम में ब्यौहारी जनपद की ग्राम पंचायत आखेटपुर के रामकिशोर पटेल पर 500 रुपये, भन्नी ग्राम पंचायत के श्यामदास कोल पर 500 रुपये तथा सोहागपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बंडीखुर्द के गुल्लू यादव पर 500 रुपये का अर्थदंड ठोका गया है। प्रशासनिक स्तर पर हुई इस त्वरित कार्रवाई से लोक सेवा केंद्रों और प्रशासनिक विभागों में हडक़ंप मच गया है। कलेक्टर के इस सख्त आदेश ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आम नागरिकों से जुड़ी मूलभूत शासकीय सेवाओं में किसी भी प्रकार की हीलाहवाली या लेट-लतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अकेले डॉक्टर पर जिला अस्पताल का बोझ

आयुष चिकित्सा की बदहाली: विशेषज्ञ डॉक्टरों का अकाल

न दवाएं, न जल निकासी बारिश में घुटने तक भरता है पानी

शहडोल। अंचल में प्राचीन चिकित्सा पद्धति और आयुर्वेद के संवर्धन का दावा करने वाला आयुष विभाग स्वयं बीमारियों का शिकार हो चुका है। आदिवासी बहुल शहडोल संभाग में आयुर्वेद उपचार की समूची व्यवस्था मूलभूत सुविधाओं और आवश्यक मानव संसाधन के अभाव में पूरी तरह वेंटिलेटर पर आ गई है। पूरे संभाग में एकमात्र जिला आयुष अस्पताल शहडोल में स्थित है, लेकिन विडंबना यह है कि यहां गंभीर रोगों के इलाज के लिए एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद नहीं है।

स्वीकृत पद तीन, तैनात केवल एक डॉक्टर

संभागीय मुख्यालय स्थित जिला आयुष अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 40 से 50 मरीज इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। अस्पताल में विशेषज्ञ सहित डॉक्टरों के तीन पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में पूरी व्यवस्था मात्र एक चिकित्सक के कंधों पर टिकी हुई है। पूर्व में पदस्थ विशेषज्ञ चिकित्सक के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह महत्वपूर्ण पद खाली पड़ा हुआ है। विशेषज्ञ न होने से असाध्य व जटिल बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है।

26 में से 22 औषधालयों में लटके ताले या भृत्यों के भरोसे



ग्रामीण अंचलों में आयुर्वेद सेवाओं का विस्तार करने के उद्देश्य से जिले भर में कुल 26 आयुष औषधालय संचालित हैं। जमीनी हकीकत यह है कि झीकबिजुरी, कल्याणपुर, बंधवाबारा और केशवाही को छोडक़र शेष 22 औषधालयों में किसी भी डॉक्टर की पदस्थापना नहीं है। अधिकांश ग्रामीण केंद्र या तो कम्पाउंडरों के सहारे चल रहे हैं या फिर भृत्यों (चपरासियों) के भरोसे छोड़ दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को जड़ी-बूटियों और पारंपरिक उपचार का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

मौसमी और जीवनरक्षक दवाओं का अकाल

चिकित्सकों की कमी के साथ-साथ जिले भर के आयुष केंद्रों में जीवनरक्षक व प्राथमिक औषधियों का भारी टोटा बना हुआ है। सामान्य मौसमी बीमारियों, बुखार, वात और उदर रोगों में काम आने वाली गोदंती भस्म, संशमनी वटी, अश्वगंधा सिरप, महासुदर्शन चूर्ण, कुटजारिष्ट और कुटजघन वटी जैसी बुनियादी दवाएं भी महीनों से उपलब्ध नहीं हैं। मरीज पर्चा लेकर आते हैं और अस्पताल से खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं।

अस्पताल परिसर बना ताल-तलैया

जिला आयुष अस्पताल की भौगोलिक स्थिति नीची होने के कारण मानसून के दिनों में सडक़ का सारा बरसाती पानी अस्पताल परिसर के भीतर घुस जाता है। परिसर में घुटने तक पानी भर जाने से मरीजों, वृद्धों और अस्पताल स्टाफ को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जल निकासी की कोई पुख्ता व्यवस्था न होने से संक्रमण का खतरा भी लगातार बना रहता है। स्थानीय नागरिकों एवं आयुर्वेद प्रेमियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जिला आयुष अस्पताल में अविलंब विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए, खाली पड़े 22 औषधालयों में चिकित्सकों की पदस्थापना हो तथा दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि अंचल के गरीब मरीजों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ मिल सके।

पर्यावरण संवर्धन हेतु मिट्टी जुटाकर विद्यार्थियों ने लिया हरियाली का संकल्प





विश्वविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत हुआ आयोजन

शहडोल। स्थानीय पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय परिसर में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत संकल्प वृक्ष रोपण हेतु एक विशेष मृदा एकत्रीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षण संस्थान के समस्त सदस्यों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जगाना, पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना तथा पेड़-पौधों के संरक्षण का संदेश देना था। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय प्रांगण की उपजाऊ मिट्टी को सहेज कर एक-एक किलोग्राम वजन के दो विशेष पैकेट तैयार किए गए। इन पैकेटों को निर्धारित राज्यस्तरीय कार्यक्रम हेतु सम्मानपूर्वक प्रेषित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेटों एवं शिक्षकों ने प्रकृति के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को समझने तथा नियमित रूप से पौधरोपण कर धरती को हरा-भरा बनाने की प्रतिज्ञा ली। समारोह में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए परिसर प्रभारी प्राध्यापक गीता सराफ ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा का कार्य केवल किसी एक विभाग अथवा संस्थान का नहीं है, अपितु यह प्रत्येक देशवासी का परम कर्तव्य है। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपनी दैनिक दिनचर्या में प्रकृति के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जी.एस. सांडया ने संकल्प वृक्ष की विस्तृत पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। उन्होंने पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन, वृक्षों की महत्ता तथा आने वाली पीढिय़ों के लिए स्वच्छ वातावरण निर्मित करने की तात्कालिक आवश्यकता पर अपने विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की गतिविधियां समाज में जनभागीदारी की भावना को प्रबल बनाती हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के अनेक वरिष्ठ प्राध्यापकगण, जिनमें प्रो. चेतना सिंह, डॉ. आदर्श तिवारी, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. धानी जामोद, डॉ. नीलेश शर्मा, डॉ. दयाशंकर शर्मा, डॉ. अंजनी सूर्यवंशी एवं डॉ. सुषमा नेताम प्रमुख रूप से शामिल थे, उपस्थित रहे। एनसीसी कैडेटों ने अनुशासित ढंग से कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली तथा युवाओं में राष्ट्र एवं पर्यावरण सेवा की अलख जगाई। विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित यह मृदा एकत्रीकरण गतिविधि सेवा संकल्प अभियान के तहत हरियाली की दिशा में एक अत्यंत अनुकरणीय एवं सार्थक प्रयास सिद्ध हुई, जिसकी पूरे नगर में प्रशंसा की जा रही है।



अपशिष्ट जल प्रबंधन एवं श्रमिकों की कार्यस्थल सुरक्षा पर विशेषज्ञों ने दिया व्यावहारिक ज्ञान

शहडोल में नगर पालिका कर्मचारियों के लिए क्षमता संवर्धन शिविर संपन्न



शहडोल। स्थानीय सूर्या इंटरनेशनल सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रयुक्त जल एवं सीवेज प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता इसका शून्य-अपशिष्ट अवधारणा पर आधारित होना रही। शिविर का औपचारिक शुभारंभ शहडोल एवं रीवा संभाग के संयुक्त संचालक हिमांशु भट्ट तथा कार्यपालन यंत्री देवेंद्र कौल द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया।

मुख्य अतिथि हिमांशु भट्ट ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सीवेज एवं टैंक सफाई कार्य में संलग्न कर्मचारियों की प्राण रक्षा व स्वास्थ्य सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि निर्धारित सुरक्षा नियमों का अक्षरसः पालन कर और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों को अपनाकर किसी भी अनहोनी या दुर्घटना को पूर्णतः रोका जा सकता है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण में सीखे गए सिद्धांतों को अपने दैनिक कार्य में अनिवार्य रूप से ढालें।

कार्यपालन यंत्री देवेंद्र कौल ने दैनिक जीवन में जल की खपत के गणित को समझाते हुए बताया कि मनुष्य द्वारा उपयोग किए जाने वाले कुल जल का मात्र बीस प्रतिशत भाग ही उपयोग में आता है, जबकि शेष अस्सी प्रतिशत जल अपशिष्ट बनकर बह जाता है। इस विशाल मात्रा में निकलने वाले दूषित जल के वैज्ञानिक एवं पुनर्चक्रित प्रबंधन के तरीकों को समझना समय की मांग है।

विषय विशेषज्ञ आशीष बिश्वास ने आधुनिक मशीनों के माध्यम से सेप्टिक टैंकों की सफाई, मैला ढोने व उठाने की यांत्रिक पद्धतियों तथा अवशिष्टों के सुरक्षित परिवहन एवं निस्तारण की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कर्मचारियों को सुरक्षा कवच एवं व्यक्तिगत संरक्षा किट को पहनने (डॉनिंग) एवं उतारने (डॉफिंग) की मानक प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन करके सिखाया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को जोखिम भरी परिस्थितियों से बचाने के लिए सेप्टिक टैंकों की यांत्रिक सफाई का सीधा प्रदर्शन (लाइव डेमोंस्ट्रेशन) भी दिखाया गया। इसके माध्यम से खतरनाक गैसों के प्रभाव से बचने और आधुनिक यंत्रों के सटीक संचालन की तकनीक बताई गई।

इस उपयोगी कार्यशाला में संभागभर से आए कुल 67 निकायों के सफाई कर्मचारियों, स्वच्छता पर्यवेक्षकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन फीडबैक फाउंडेशन के प्रतिनिधि संदीप सोनी ने किया। सत्र के अंतिम चरण में एक खुली चर्चा आयोजित की गई, जिसमें सफाई कर्मचारियों ने कार्य के दौरान आने वाली अपनी व्यावहारिक समस्याओं और चुनौतियों को साझा किया।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट सहभागिता दर्ज करने वाले कर्मचारियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर पल्लवी सिंह, सज्जन सिंह सहित नगरीय निकायों के अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन तथा एक यादगार समूह चित्र के साथ हुआ। नगरवासियों ने कर्मचारियों के हित में आयोजित इस सुरक्षा केंद्रित पहल की सराहना की है।

अवैध रेत का परिवहन कर रही डंपर गाड़ी जब्त



शहडोल। दक्षिण शहडोल वन मंडल में अवैध खनिजों के कारोबार और तस्करों पर नकेल कसने के लिए वन विभाग ने अपना शिकंजा पूरी तरह कस लिया है। वन संरक्षक महेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर और उप वन संरक्षक सुश्री श्रद्धा पेंद्रे के कुशल मार्गदर्शन में गठित विशेष रात्रिकालीन गश्ती दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत से लदी एक डंपर गाड़ी को रंगे हाथों दबोच लिया है।

जानकारी के अनुसार गोहपारू वन परिक्षेत्र के अंतर्गत देवरी बीट के देवरी गांव में देर रात गश्ती दल मुस्तैदी से भ्रमण कर रहा था। इसी दौरान एक संदेहास्पद डंपर वाहन मुख्य मार्ग से गुजरता दिखाई दिया। वनकर्मियों ने जब घेराबंदी कर वाहन को रुकवाया और जांच की, तो उसमें अवैध रूप से उत्खनन कर लाई गई नदी की रेत लदी हुई पाई गई।

गश्ती दल द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम अमर वर्मन, निवासी लालपुर बताया। जब उससे खनिज परिवहन के वैध कागजात मांगे गए, तो वह कोई भी अनुमति पत्र या चालान पेश करने में पूरी तरह नाकाम रहा। जांच के दौरान अधिकारियों को



चकमा देने की एक और चालाकी सामने आई, गाड़ी के आगे या पीछे कोई नंबर प्लेट नहीं लगी थी। जब वनकर्मियों ने वाहन की तलाशी ली, तो गाड़ी के केबिन के भीतर से नंबर प्लेट बरामद हुई, जिस पर मध्य प्रदेश का पंजीयन क्रमांक लिखा हुआ था।

वन विभाग की टीम ने तत्काल प्रभाव से वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए अवैध रेत सहित वाहन को जब्त कर लिया और उसे सुरक्षा के दृष्टिकोण से बुढ़ार स्थित वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर में खड़ा करा दिया है। चालक और वाहन स्वामी के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम तथा खनिज अवैध परिवहन से संबंधित सुसंगत धाराओं के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। तस्करों के मंसूबों को ध्वस्त करने वाली इस साहसिक कार्रवाई में बडख़ेरा क्षेत्र सहायक प्रकाश शुक्ला, नितिन खटीक, शाहपुर बीटगार्ड मयंक अग्निहोत्री, पतखई बीटगार्ड गुरुदयाल पनिका, घोर्वे बीटगार्ड सुनील रैकवार, देवरी बीटगार्ड के.के. शुक्ला समेत संपूर्ण गश्ती दल की उल्लेखनीय भूमिका रही। इस कार्रवाई से अंचल के खनन माफियाओं में हडक़ंप मच गया है।

बुजुर्ग समाज पर बोझ नहीं, बल्कि ज्ञान की धरोहर

शहडोल। स्थानीय पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के पावन अवसर पर एक भावुक और प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संकायाध्यक्ष प्रोफेसर नीलिमा के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय युवा पीढ़ी में अपने बुजुर्गों के प्रति आदर, मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्वों का बोध कराना रहा। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों का पुष्पहार पहनाकर एवं तिलक लगाकर आत्मीय अभिनंदन किया। इसके पश्चात युवाओं और अनुभवी बुजुर्गों के मध्य एक जीवंत संवाद सत्र आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने वरिष्ठजनों के जीवन संघर्षों, सामाजिक पारिवारिक मूल्यों तथा दैनिक आवश्यकताओं के



संबंध में विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रतिष्ठित व्यवसायी बृजेंद्र गुप्ता ने अपने जीवन के अनमोल संस्मरण एवं प्रेरक कहानियां सुनाकर छात्र-छात्राओं को जीवन मूल्यों की सीख दी। वहीं पेंशनर एसोसिएशन के महामंत्री जे.एल. सोनी ने युवाओं को उनके अधिकारों और सामाजिक कर्तव्यों के प्रति सचेत किया।

विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त ग्रंथपाल एवं अतिथि विद्वान वाई.एस. परिहार ने अनुशासन तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश देते हुए कहा कि व्यवस्थित जीवन ही सफलता का मूल आधार है।इस अंतर-पीढ़ीगत संवाद ने विद्यार्थियों को यह गहराई से समझाया कि वरिष्ठ नागरिक समाज के लिए भार नहीं, अपितु ज्ञान, अनुभवों और नैतिक मूल्यों की समृद्ध धरोहर हैं। केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर मानवीय संवेदनाओं को प्रत्यक्ष रूप से महसूस करना समाज कार्य के विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभूति सिद्ध हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी युवाओं ने अपने दैनंदिन जीवन में बुजुर्गों का आदर करने व उनकी सेवा हेतु सदैव तत्पर रहने की प्रतिज्ञा ली।

राजकुमार दुबे पुनः निर्विरोध प्रांताध्यक्ष चुने गए, शहडोल के पेंशनर संघ ने जताया हर्ष

शहडोल। मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन का एक दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन अनूपपुर स्थित सिद्धिविनायक पैलेस में गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण प्रांतीय कार्यकारिणी का चुनाव रहा, जिसमें सर्वसम्मति से वर्तमान प्रांताध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार दुबे को पुनः निर्विरोध प्रांताध्यक्ष घोषित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शालिक मौलिकर के मुख्य आतिथ्य में हुई। उन्होंने अपने संबोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं एवं उनके साथ हो रहे अन्याय पर चिंता व्यक्त करते हुए सशक्त आवाज उठाई।

महासम्मेलन में प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।नामांकन प्रक्रिया के उपरांत मुख्य चुनाव अधिकारी रामनरेश तिवारी ने जैसे ही राजकुमार दुबे के निर्विरोध



निर्वाचित होने की आधिकारिक घोषणा की, पूरा सभागार करतल ध्वनि से गूंज उठा। उपस्थित सदस्यों ने नवागत प्रांताध्यक्ष का पुष्पहार पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस उपलब्धि पर शहडोल संभागीय अध्यक्ष रविकरण त्रिपाठी एवं जिलाध्यक्ष आर.एल. तिवारी सहित के.पी. महेंद्रा, के.के. सिंह, लोकेंद्र प्रसाद तिवारी, संतोष कुमार पांडेय, आर.एस. गौतम, शशिशंकर सुहाने, बी.एल. द्विवेदी, राजाराम शर्मा, जीवेंद्र कुमार परौहा, राममिलन शर्मा, अशोक द्विवेदी, अरुण कुमार पांडेय, आशा श्रीवास्तव, विनोद सिंह, नरेश कुमार सिंघल, राजेंद्र परौहा, लालमणि जायसवाल, अनिल कुमार सोनी, मनोज खरे एवं ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने दुबे जी को शुभकामनाएं प्रेषित कर हर्ष व्यक्त किया है।

खबर संक्षेप



वंदेमातरम के गायन के साथ की गई शासकीय कार्य की शुरूआत

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की उपस्थिति में संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्र गान, राष्ट्रीय गीत एवं मध्यप्रदेश गान के सामूहिक गायन के साथ शासकीय कार्यों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता निभाते हुए प्रदेश एवं राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा, सम्मान और समर्पण का भाव व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय कार्य संस्कृति में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, एकता तथा सांस्कृतिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करना है।

गांधी जयंती पर 2 अक्टूबर को शुष्क दिवस घोषित

उमरिया। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को शुष्क दिवस रहेगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने 2 अक्टूबर को शुष्क दिवस घोषित किया है। इस दौरान जिले की समस्त कंपोजिट मदिरा दुकाने, देशी मद्य भंडागार, बीयर बार एवं एफ एल -3ए दुकाने बंद रहेगी। कलेक्टर ने शुष्क दिवस पर कहीं भी मदिरा का अवैध विक्रय न हो यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

गांधी जंयती पर होगा ग्राम सभाओं का आयोजन

उमरिया। गांधी जयंती 2 अक्टूबर के अवसर पर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओ का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में ग्रामीण विकास विभाग की ग्राम विकास योजना 2027-28 का अनुमोदन होगा। इसके साथ ही ग्रामीण विकास अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में पूर्ण नल जल योजनाओं का संबंधित ग्राम पंचायतों को हस्तांतरण की कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही स्वामित्व पर भी ग्राम सभा में चर्चा होगी। नशा मुक्त भारत बनाये जाने के संकल्प को भी ग्राम सभा में पारित किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने निर्देश दिए है कि सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन कर शासन व्दारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं।

आज विभिन्न स्थानों में आयोजित होगी नुक्कड नाटक की गतिविधियां

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थलों के साथ-साथ हाट बाजारों में शासन की विभिन्न योजनाओ का स्थानीय बोलचाल की भाषा में प्रचार प्रसार के उद्देश्य से नुक्कड नाटक मंडलियों व्दारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 2 अक्टूबर को अमरपुर, इंदवार एवं चिल्हारी में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शासन की योजनाओ की जानकारी आम जनों को दी जाएगी।

श्रमिक कर्मचारियों को प्रत्येक माह की सात तारीख से पूर्व भुगतान सुनिश्चित किया जाए

उमरिया। जिले में संचालित शासकीय जिला कार्यालयों एवं समस्त औद्योगिक, वाणिज्यिक एवं अन्य प्रतिष्ठानों के नियोक्ताओं प्रबंधकों को वेतन भुगतान अधिनियम के तहत समय पर करने के निर्देश जारी किये गये हैं। इसके तहत जिन प्रतिष्ठानों या संस्थानों में एक हजार से कम कर्मचारी हैं, उनमें मासिक वेतन का भुगतान 7 तारीख के पूर्व किया जाना अनिवार्य है। यदि नियोक्ता द्वारा हर प्रति माह 7 तारीख तक वेतन भुगतान नही किया जाता तब श्रमिक हेल्पलाईन कमांक 18002338888 पर सूचित कर सकते है ताकि उन्हें समय पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसी प्रकार जिन प्रतिष्ठानों में एक हजार या उससे अधिक कर्मचारी हैं उनके वेतन का भुगतान 10 तारीख के पूर्व किया जाना सुनिश्चित कराया जाए ।

तीन माह के लंबे इंतजार के बाद खुला पर्यटकों के लिए बांधवगढ़ का द्वार

ताला, मगधी और खितौली गेट खुले, पहले दिन बाघिन के दीदार से पर्यटकों में उत्साह

लगभग एक माह की ऑनलाइन बुकिंग हुई, 195 गाइडों को प्रशिक्षण









उमरिया। 03 माह के मानसून ब्रेक के बाद विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आज 1 अक्टूबर से नए पर्यटन सत्र की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। इसके साथ ही टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में जंगल सफारी पुनः प्रारंभ हो गई। पर्यटन सत्र के पहले दिन ताला, मगधी और खितौली गेट को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पार्क प्रबंधन एवं वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पर्यटकों का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया। गेट खोलने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर वन्यजीवों की सुरक्षा एवं पर्यटन सत्र के सफल संचालन की कामना की गई।ताला गेट से पार्क में प्रवेश करने वाले पर्यटकों के लिए पहला दिन ही यादगार बन गया। सिद्ध बाबा क्षेत्र के पास पर्यटकों को एक बाघिन के दीदार हुए। बाघिन को अपने प्राकृतिक परिवेश में विचरण करते देख पर्यटक रोमांचित हो उठे। सफारी वाहनों में सवार पर्यटकों ने बाघिन की गतिविधियों को काफी देर तक देखा और इस खास पल को कैमरों में कैद किया। नए पर्यटन सत्र के पहले ही दिन बाघिन के दीदार से पर्यटकों का उत्साह और बढ़ गया।

कोर क्षेत्र में पर्यटन 1 अक्टूबर से 30 जून तक संचालित होगा, जबकि बफर क्षेत्र में पर्यटन वर्षभर जारी रहता है। पर्यटकों के स्वागत के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्धारित समय पर तीनों प्रमुख गेटों से पर्यटकों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हुई। प्रवेश द्वारों को फूलों एवं अन्य सजावटी सामग्री से सजाया गया था। पर्यटकों को पार्क के नियमों का पालन करने तथा वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की जानकारी भी दी गई।बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि नए पर्यटन सत्र से पहले सफारी व्यवस्था को व्यवस्थित करने के साथ पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस बार पर्यटकों को केवल बाघ दर्शन तक सीमित न रखते हुए जंगल, वन्यजीव, पक्षियों, वनस्पतियों, इतिहास, पर्यावरण एवं बांधवगढ़ के भौगोलिक महत्व की जानकारी उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व बाघों के लिए प्रसिद्ध होने के साथ अपनी प्राकृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत और स्थानीय संस्कृति के लिए भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां प्राचीन गुफाएं, मंदिरों के अवशेष और शेषशय्या जैसे ऐतिहासिक स्थल पर्यटकों के अनुभव को और व्यापक बनाते हैं। जंगल सफारी के साथ बाघ, पक्षियों तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत को देखने का अवसर बांधवगढ़ को विशिष्ट पर्यटन अनुभव प्रदान करता है। पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों में बांधवगढ़ आने वाले देशी पर्यटकों के साथ विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि देखने को मिली है। विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पर्यटन गतिविधियों के साथ क्षेत्र की आय में भी वृद्धि हो रही है।बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक पांच पर्यटन सत्रों में कुल 9 लाख 50 हजार 177 पर्यटक बांधवगढ़ पहुंचे। इनमें 8 लाख 34 हजार 693 देसी तथा एक लाख 15 हजार 484 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। इस अवधि में पर्यटन से कुल 76 करोड़ एक लाख 32 हजार 188 रुपये की आय प्राप्त हुई। वर्ष 2021-22 में एक लाख 76 हजार 51 पर्यटक पहुंचे, जिनमें एक लाख 70 हजार 106 देसी और 5 हजार 945 विदेशी पर्यटक शामिल थे। इस वर्ष पर्यटन से 12 करोड़ 6 लाख 60 हजार 748 रुपये की आय हुई। वर्ष 2022-23 में कुल एक लाख 85 हजार 825 पर्यटक पहुंचे, जिनमें एक लाख 64 हजार 559 देसी और 21 हजार 266 विदेशी पर्यटक थे। इस वर्ष 13 करोड़ 89 लाख 74 हजार 913 रुपये की आय हुई। वर्ष 2023-24 में कुल एक लाख 78 हजार 926 पर्यटक पहुंचे, जिनमें एक लाख 53 हजार 32 देसी और 25 हजार 894 विदेशी पर्यटक शामिल रहे तथा 14 करोड़ 15 लाख 70 हजार 318 रुपये की आय हुई। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 में पर्यटकों की संख्या बढ़कर एक लाख 96 हजार 889 हो गई, जिनमें 1 लाख 66 हजार 123 देसी और 30 हजार 766 विदेशी पर्यटक शामिल थे। इस वर्ष 16 करोड़ 38 लाख 78 हजार 420 रुपये की आय प्राप्त हुई। वर्ष 2025-26 में सर्वाधिक 2 लाख 12 हजार 486 पर्यटक बांधवगढ़ पहुंचे, जिनमें एक लाख 80 हजार 873 देसी और 31 हजार 613 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। इस वर्ष पर्यटन से 19 करोड़ 50 लाख 47 हजार 789 रुपये की आय हुई। क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि नए पर्यटन सत्र के प्रारंभ होने से पहले ही बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की लगभग एक माह की ऑनलाइन टिकट बुकिंग हो चुकी है। इससे पर्यटकों में बांधवगढ़ को लेकर उत्साह और रुचि का पता चलता है। सफारी वाहनों के निर्धारित मानकों के पालन पर विशेष सख्ती बरती जा रही है। सभी पर्यटक जिप्सियों की जांच एवं पंजीयन किया जा रहा है। वाहनों के दस्तावेज, तकनीकी स्थिति तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप पंजीयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पर्यटकों को जंगल और वन्यजीवों की बेहतर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए लगभग 195 गाइडों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 'जंगल की पाठशाला' के तहत गाइडों को वन्यजीवों के पदचिह्न, उनकी गतिविधियों, पक्षियों की पहचान, जंगल की वनस्पतियों तथा बांधवगढ़ के इतिहास से संबंधित जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही 105 गाइडों को अंग्रेजी भाषा एवं बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को जंगल और वन्यजीवों से जुड़ी जानकारी सरल, रोचक एवं प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराई जा सके।क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि सफारी के लिए सभी तैयारियां पूरी हैं। जंगली हाथियों की आवाजाही के बावजूद सफारी जारी रहेगी। पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गाइड एवं वाहन चालकों को प्रशिक्षण दिया गया है। नए पर्यटन सत्र में वन्यजीव संरक्षण और पर्यटकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए हुआ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



उमरिया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन में 01 अक्टूबर 2026 को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ए.डी.आर. सेंटर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपक कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं रजिस्ट्रार श्रीमती वीणा खलखो, न्यायाधीश सुधांशु सोनी तथा जिला चिकित्सालय उमरिया के चिकित्सकों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रियदर्शन शर्मा ने वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों एवं विधिक संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने वृद्धजनों को उपलब्ध विधिक सहायता एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से उपस्थित चिकित्सकों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार उन्हें दवाइयां भी वितरित की गईं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने वृद्धजनों को स्वस्थ जीवनशैली एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी एवं माय भारत युवा कार्यक्रम, खेल मंत्रालय के वॉलेंटियर्स, एलएडीसीएस के कर्मचारी, पैरालीगल वालेंटियर गोपाल तिवारी सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम से उपस्थित वरिष्ठ नागरिक एवं वृद्धजन लाभान्वित हुए।

सेवा संकल्प अभियान में 3 और 4 अक्टूबर को लगेंगे सेवा सेतु शिविर

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लिए सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में 3 अक्टूबर को शिविर लगेंगे। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र में 4 अक्टूबर को सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में संबंधित क्षेत्र के एसडीएम और तहसीलदार सहित सभी राजस्व अधिकारी तथा जिला एवं खण्ड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर डिप्टी कलेक्टर प्रिया अग्रवाल को नोडल अधिकारी बनाया है जबकि आशीष शर्मा सहायक नोडल अधिकारी होगे। इसी प्रकार करकेली जनपद पंचायत प्रांगण में आयोजित शिविर के लिए प्रभांशु सिंह सीईओ, पाली में आयोजित शिविर के लिए कन्हाई कुंवर सीईओ तथा मानपुर जनपद पंचायत में आयोजित शिविर के लिए अंकित सिरोठिया सीईओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
नगरीय क्षेत्र में 4 अक्टूबर को रानी दुर्गावती भवन उमरिया में , गायत्री मंदिर के पास वार्ड नंबर 12 पाली, टाउन हॉल चंदिया में , अटल प्रतिमा के पास वार्ड नंबर 8 बस स्टैंड नौरोजाबाद में तथा नगर परिषद प्रांगण मानपुर में आयोजित होने वाले शिविरों के लिए संबंधित सीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
कलेक्टर ने बताया कि सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित शिविर में मौके पर लाभान्वित हितग्राहियों के वीडियो बनाने की व्यवस्था करें। शिविर में मंचीय कार्यक्रम तथा सेल्फी प्वाइंट बनाएं। सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं की पूरी जानकारी के साथ शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। संबंधित नोडल अधिकारी शिविर के लिए आवश्यक प्रबंध करें। शिविर समाप्त होने के बाद शिविर की गतिविधियों से जुड़े फोटो और वीडियो के साथ विवरण सीएम इवेंट पोर्टल में शाम 6 बजे तक अनिवार्य रूप से अपलोड कराएं। शिविर स्थल में पेयजल, साफ-सफाई, बिजली की आपूर्ति, टायलेट तथा सुरक्षा की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

नियमित डॉक्टर पदस्थ, फिर भी इलाज के लिए भटक रहे ग्रामीण

निगवानी में रामभरोसे स्वास्थ्य व्यवस्था





कोतमा। सरकार ग्रामीणों को घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के दावे करती है, लेकिन निगवानी का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़ा कर रहा है। यहां नियमित डॉक्टर की पदस्थापना होने के बावजूद ग्रामीणों को उनकी सेवाएं नियमित रूप से नहीं मिल पा रही हैं। डॉक्टरों और चिकित्सा स्टाफ की कमी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था प्रभावित है और सामान्य उपचार के लिए भी मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। कई बार उन्हें निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है या इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा जाना पड़ता है। निगवानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित डॉक्टर का एक पद और फार्मासिस्ट का एक पद रिक्त है। ड्रेसर का पद भी खाली बताया गया है। स्टाफ नर्स के तीन पदों में से एक नियमित तथा दो संविदा पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं। डॉक्टर बेबी नाज की नियमित पदस्थापना निगवानी में है, लेकिन उनकी सेवाएं जिला अस्पताल अनूपपुर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भी ली जा रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों के सामने सवाल है कि जिस डॉक्टर की पदस्थापना उनके क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र में है, उनकी नियमित उपलब्धता वहां क्यों नहीं सुनिश्चित हो पा रही। वर्तमान में बांड के डॉक्टर चिराग मरावी के भरोसे स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था चल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ माह पहले नियमित डॉक्टर की पदस्थापना से उन्हें उम्मीद जगी थी कि अब स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा बेहतर होगी, लेकिन सेवाएं दूसरे स्वास्थ्य संस्थानों में लिए जाने से समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्धारित समय पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था फार्मासिस्ट अथवा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भरोसे संचालित होने की स्थिति बन जाती है। रात के समय आपात स्थिति में डॉक्टर की उपलब्धता को लेकर भी ग्रामीणों ने चिंता जताई है। उनके अनुसार रात में स्टाफ नर्स और वार्ड बॉय के भरोसे व्यवस्था संचालित होती है।

स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और स्टाफ की कमी के साथ बुनियादी सुविधाओं की कमी भी ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार सामान्य रक्त जांच सहित अन्य पैथोलॉजी जांच की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है। मरीजों को जांच के लिए निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ता है। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त जांच और उपचार की सुविधा नहीं मिलने से गरीब मरीजों पर निजी इलाज का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन में जगह की कमी की समस्या भी सामने आ रही है। स्टाफ नर्स के निवास की व्यवस्था अस्पताल में ही होने के साथ प्रसव कक्ष के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने की बात सामने आई है। संक्रमण कक्ष के लिए भी जगह की कमी बताई जा रही है। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने की समस्या से भी मरीज और स्वास्थ्यकर्मी परेशान होते हैं। निगवानी और आसपास के ग्रामीणों में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित अधिकारियों को समस्या की जानकारी कई बार दी जा चुकी है, इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। अब क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मांग की है कि निगवानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब ग्रामीण क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की नियमित पदस्थापना है, तो उसकी सेवाएं ग्रामीणों को नियमित रूप से क्यों नहीं मिल पा रही हैं? ग्रामीणों को सामान्य उपचार के लिए भी बाहर जाने की मजबूरी कब खत्म होगी, यह स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा कर रहा है।



सेवानिवृत्ति पर शिक्षक की भावभीनी विदाई

कोतमा। शासकीय हाई स्कूल लामाटोला में पदस्थ शिक्षक सतीश कुमार शुक्ला अपनी अर्द्ध वार्षिकी आयु 62 वर्ष पूर्ण कर 30 सितम्बर को सेवानिवृत्त हुए। शिक्षक के सेवानिवृत्त पर संकुल केंद्र शासकीय हाई स्कूल लामाटोला में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी केके वर्मा, समन्वयक जनपद शिक्षा केंद्र अनूपपुर राजमणी पाण्डेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकुल प्राचार्य आरपी नागेश के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हाई स्कूल खोडरी नं 1 प्राचार्य अरुण कुमार मिश्रा, प्रधानाध्यापक एसपी तिवारी, वरिष्ठ शिक्षक एसएस मरावी, अर्जुन कुमार विश्वकर्मा, जनशिक्षक राघवेन्द्र त्रिपाठी, विनय कुमार वर्मा, दशरथ लाल बैगा, भैयालाल बैगा, रवि सिंह कँवर व संकुल के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। विकास खंड शिक्षा अधिकारी केके वर्मा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि हम और शुक्ला जी एक ही गाँव के हैं और शुक्ला जी पढ़ाई में हमारे सीनियर होते थे। शुक्ला जी सदैव बच्चों के लिए गणित विषय को बहुत ही सरल और रोचक तरीके से पढ़ाकर अध्ययन कराते थे। समन्वयक श्री पाण्डेय ने भी शुक्ला जी के शैक्षिक व्यक्तित्व का बखान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। संकुल प्राचार्य ने उनके साथ बिताए वक्त को याद करते हुए उन्हें गणित जैसे विषय को बहुत ही सरल और काव्यगत भाव से पढ़ाने वाला एक उत्कृष्ट शिक्षक बताया और कहा कि हमारे विद्यालय के सभी बच्चे शुक्ला जी से बहुत स्नेह करते थे आज उनके विदाई के इस क्षण में सभी अश्रुपूरित हैं और शुक्ला जी से विनय कर रहे हैं कि आप विद्यालय से मत जाइए हम आपको नहीं जाने देंगे। इस प्रकार सभी स्टॉफ और बच्चे बहुत भावुक हैं, कार्यक्रम में ग्राम पंचायत लामाटोला के सरपंच सुश्री संगीता सिंह, शाला प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय पटेल, अभिभावक और छात्र छात्राएं उपस्थित थे जो विदाई के इस पल पर अपनी भावनाओं को काबू नहीं कर पा रहे थे, कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने शुक्ला जी के कार्य और व्यवहार की सराहना करते हुए उनके आगामी स्वस्थ जीवन की कामना की साथ ही साल श्री भेट कर उनका सम्मान किया। इस प्रकार बहुत ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व धनी और गणित के शिक्षक का सेवानिवृत्ति और विदाई कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

ग्रामीण स्वास्थ्य के लिए न्यू जोन इंडिया और टोरेंट पॉवर की प्रभावी पहल

रक्सा और कोलमी में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित



अनूपपुर। स्थानीय ग्रामीणों और श्रमिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट पॉवर के सहयोग से रक्सा एवं कोलमी ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कंपनी की सामाजिक सहभागिता के तहत आयोजित इस शिविर में दोनों पंचायत क्षेत्रों के महिला, पुरुष, बच्चों एवं श्रमिकों सहित 280 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में ग्रामीणों को आवश्यक दवाइयां, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। शिविर में जिला स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सा टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की, आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक किया। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से भी ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। लोगों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, बीमारी से बचाव, स्वच्छता, संतुलित खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। आयोजन के दौरान न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सुशीलकांत मिश्रा, सुधाकर पाण्डेय एवं कुलदीप सिंह उपस्थित रहे। कंपनी प्रतिनिधियों ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ग्रामीणों से स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर संवाद किया। कंपनी की ओर से कहा गया कि कार्यक्षेत्र से जुड़े श्रमिकों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करना कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिविर में रक्सा सरपंच श्रीमती उमा सिंह, कोलमी सरपंच राजू पनिका, रक्सा उप सरपंच श्रीमती रामकली सिंह, कोलमी उप सरपंच अजय उपाध्याय तथा बीएमओ अनूपपुर डॉ. डीआर. सिंह श्याम सहित जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कंपनी की इस पहल से ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय मार्गदर्शन की सुविधा प्राप्त हुई। विशेष रूप से ऐसे ग्रामीण, जिन्हें सामान्य परिस्थितियों में स्वास्थ्य जांच के लिए दूर जाना पड़ता है, उन्हें स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होने से सुविधा मिली। शिविर के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीणों को समय पर जांच कराने और स्वास्थ्य संबंधी लक्षणों को नजरअंदाज न करने के लिए भी जागरूक किया। स्वास्थ्य जांच शिविर को सफल बनाने में चक्रधर मिश्रा, अशोक मिश्रा, मुकेश सिंह, राजाराम सिंह, पंच राम प्रकाश सिंह, हेमराज सिंह एवं विनय मिश्रा सहित अनेक लोगों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। दोनों पंचायतों के ग्रामीणों ने भी सक्रिय सहभागिता कर शिविर को सफल बनाया। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट पॉवर की यह पहल उद्योग और स्थानीय समुदाय के बीच सामाजिक सहभागिता का उदाहरण बनी। कंपनी की ओर से कहा गया कि भविष्य में भी स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों तक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता का लाभ निरंतर पहुंचता रहे।

सड़क निर्माण के बीच खड़े हैं हाइटेंशन लाइन के पोल, हादसे की आशंका

बरगवां-अमलाई के वार्ड क्रमांक 3 में अग्रसेन होटल से सोडा फैक्ट्री गेस्ट हाउस तक बनी सड़क पर वाहन चालको के लिए खतरा, नवरात्रि से पहले पोल हटाने का आश्वासन



अमलाई।

नगर परिषद बरगवां-अमलाई के वार्ड क्रमांक 3 में अग्रसेन होटल से सोडा फैक्ट्री गेस्ट हाउस तक सड़क निर्माण के बाद अब सड़क के बीचों-बीच खड़े हाइटेंशन लाइन के बिजली के पोल दुर्घटना की आशंका पैदा कर रहे हैं। ये पोल पहले से ही इस मार्ग पर स्थापित थे, जबकि अब नगर परिषद द्वारा सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। जहां अब सड़क की चौड़ाई बढ़ गई है ऐसे में सड़क निर्माण के दौरान पोलों का विस्थापन नहीं किया जाना अब गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।इस मार्ग से प्रतिदिन बड़े-बड़े ट्रकों सहित भारी वाहनों का आवागमन होता है। सड़क के बीच में खड़े बिजली के पोल वाहन चालकों के लिए बड़ी बाधा बने हुए हैं। विशेषकर रात के समय और भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान पोल से टकराने या अन्य दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। यदि समय रहते इन पोलों को नहीं हटाया गया, तो कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।सवाल यह उठता है कि जब सड़क निर्माण की योजना बनाई गई थी, तब पहले से मौजूद पोलों के विस्थापन की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? सड़क निर्माण से पहले बिजली विभाग और नगर परिषद के बीच समन्वय स्थापित कर पोलों को हटाया जा सकता था। लेकिन सड़क बनने के बाद अब ये पोल यातायात में बाधा के साथ-साथ सुरक्षा के लिए भी चुनौती बन गए हैं।आगामी नवरात्रि पर्व को देखते हुए इस मार्ग पर लोगों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। ऐसे में सड़क के बीच खड़े पोलों को जल्द हटाना आवश्यक है। स्थानीय लोगों की मांग है कि नगर परिषद और बिजली विभाग आपसी समन्वय से जल्द कार्रवाई करें, ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले इस समस्या का समाधान हो सके।

इनका कहना

बिजली के पोलों के विस्थापन के लिए बिजली विभाग को पहले ही पत्र लिखा जा चुका है। जनसमस्या और आगामी नवरात्रि त्योहार को देखते हुए सड़क निर्माण कराया गया है। बिजली विभाग ने नवरात्रि से पहले पोल हटाने की बात कही है।

अंजनी प्रजापति
इंजीनियरनगर परिषद बरगवां-अमलाई

खबर संक्षेप



पुष्पराजगढ़ क्षेत्र चंदनघाट में सेवा संकल्प अभियान

अनूपपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी तक निकाली जा रही सेवा संकल्प बाइक यात्रा के पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पहुंचने पर चंदनघाट, ग्राम पंचायत लालपुर में भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। बाइक रैली में शामिल सेवा यात्रियों के पहुंचते ही स्थानीय महिलाओं ने कलश के साथ पारंपरिक तरीके से अगवानी की। वहीं गुद्दुम बाजा की धुन के बीच पुष्पवर्षा कर यात्रियों का अभिनंदन किया गया। स्वागत के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज और पुष्पवर्षा के बीच हुए स्वागत से चंदनघाट का माहौल उत्साहपूर्ण नजर आया। स्थानीय लोगों ने सेवा यात्रियों के साथ सहभागिता करते हुए सेवा, समर्पण और सामाजिक भागीदारी के संदेश के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। वडनगर से शुरू हुई सेवा संकल्प यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वाराणसी की ओर आगे बढ़ रही है। अभियान के दौरान सेवा, सामाजिक सहभागिता, जनजागरूकता और जनभागीदारी से जुड़े संदेशों को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर स्थानीय नागरिकों से संवाद और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। चंदनघाट में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, जिला प्रभारी संजय साहू, कलेक्टर रत्नाकर झा, पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब सहित भाजपा जिला पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने बाइक रैली में शामिल सेवा यात्रियों का पुष्पवर्षा एवं आत्मीय स्वागत कर यात्रा के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं। स्वागत के दौरान ग्रामीण अंचल की पारंपरिक संस्कृति और जनभागीदारी की झलक भी देखने को मिली।

आज से आयोजित होगी विभिन्न गतिविधियां

उमरिया। सेवा मेरा योगदान अभियान अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 2 अक्टूबर से 10 तक किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि 2 अक्टूबर को वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम जिला, विकासखंड, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत में आयोजित किए जायेगे। 3 अक्टूबर को योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन, जिला एवं विकासखंड स्तर पर तथा सभी पुलिस थानों में 4 अक्टूबर को सायबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम तथा विकासखंड स्तर पर 5 अक्टूबर को सडक़ सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार जिला एवं विकासखंड स्तर पर 6 अक्टूबर को नशा मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम, 7 अक्टूबर को वोकल फॉर लोकल सहयोग कार्यक्रम , 8 अक्टूबर को वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान कार्यक्रम , 9 अक्टूबर को सरकारी योजना जागरूकता के कार्यक्रम तथा 10 अक्टूबर को जिला स्तर पर अनाथालय वृध्दाश्रम भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे।

शहडोल में बड़ा पुलिस प्रशासनिक फेरबदल: SP ने बदले 5 थानों के प्रभारी, खेम सिंह बने बुढ़ार तो राज कुमार को कोतवाली की कमान





बुढ़ार।

शहडोल जिले की कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए जिले के 5 थानों के नगर निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है। एसपी कार्यालय से जारी आदेश के तहत सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, बुढ़ार, कोतवाली, अजाक, गोहपारू और महिला थाना प्रभारियों का तबादला किया गया है।

देखें किसे कहाँ मिली जिम्मेदारीः

खेम सिंह पेंद्रोः अजाक थाना प्रभारी से स्थानांतरित कर बुढ़ार थाने की कमान सौंपी गई है।

राज कुमार मिश्राः गोहपारू थाना प्रभारी से जिला मुख्यालय स्थित महत्वपूर्ण कोतवाली थाने का नया प्रभारी बनाया गया है।

जयप्रकाश नारायण शर्माः महिला थाना प्रभारी से हटाकर गोहपारू थाने का प्रभार दिया गया है।

राघवेंद्र तिवारीः कोतवाली थाना प्रभारी से अब अजाक थाने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

संजय कुमार जायसवालः हाल ही में बुढ़ार थाने से लाइन हाजिर किए गए निरीक्षक को अब महिला थाने की जिम्मेदारी दी गई है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि ये सभी पदस्थापनाएँ आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से प्रभावी रहेंगी।

स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर गूंजा मानव सेवा का संदेश, युवाओं से रक्तदान का आह्वान

बिरसिंहपुर पाली, 1 अक्टूबर 2026। शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने की। उन्होंने रक्तदान को मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम बताते हुए युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शाहिद सिद्दीकी ने रक्तदान के संबंध में विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। उन्होंने रक्तदान के महत्व, इसके सामाजिक दायित्व तथा रक्तदान को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. मंसूर अली ने किया।



इस अवसर पर डॉ. जे.पी.एस. चौहान, श्री अनुभव श्रीवास्तव,श्री अंकुश सोनी, डॉ. नरेश प्रसाद शुक्ला एवं डॉ. त्रिभुवन गिरी ने रक्तदान के महत्व और मानव जीवन में इसकी उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता हैकार्यक्रम के अंत में डॉ. मनीषा अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले अतिथियों, वक्ताओं, महाविद्यालय के स्टाफ एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान की एक पहल किसी जरूरतमंद के जीवन में नई उम्मीद जगा सकती है।कार्यक्रम में श्री बालेंद्र यादव डॉ शिवराज सिंह, महाविद्यालय की समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

सेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को नमनः सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर राम प्रसाद प्रजापति को भावभीनी विदाई





अधिकारियों का सेवाकाल भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन उनका कर्तव्यबोध, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण हमेशा पूरे विभाग का मार्गदर्शन करता रहेगा।"विनय सिंह

बुढ़ार। सेवा,अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को नमनः धनपुरी एवं बुढ़ार क्षेत्र में अपनी दीर्घकालीन, निष्ठापूर्ण और उत्कृष्ट सेवाएं देने के बाद 30 सितंबर को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए सब इंस्पेक्टर राम प्रसाद प्रजापति के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

धनपुरी थाने में आयोजित विदाई समारोह के दौरान थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने सब इंस्पेक्टर राम प्रसाद प्रजापति को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित कर कहा कि अधिकारियों का सेवाकाल भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन उनका कर्तव्यबोध,अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण हमेशा पूरे विभाग का मार्गदर्शन करता रहेगा। और उनके योगदान की सराहना की। इस मौके पर बुढ़ार थाना प्रभारी खेम सिंह प्रेंद्रो ने उन्हें माल्यार्पण कर उनका आत्मीय स्वागत कर कहा कि सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारियों के योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने राम प्रसाद को शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके सुखद, दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ रहा मौजूद

इस अवसर पर धनपुरी एवं बुढ़ार थाने से एएसआई भूपेंद्र सिंह, दीपक तिवारी, प्रधान आरक्षक राजू पानिका, गेंद सिंह, सब इंस्पेक्टर रजनीश तिवारी, गिरीश शुक्ला, राजेंद्र तिवारी, ज्ञानेंद्र सिंह सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।



राजनगर मंडल में सेवा संकल्प अभियान के तहत तीन दिवसीय आंगन मेला सेवा कार्यक्रम संपन्न

राजनगर। मंडल राजनगर क्षेत्र में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित तीन दिवसीय "आंगन मेला सेवा" कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 126 में मुख्य अतिथि, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष राजनगर, गिरिजा विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष, सचिन द्विवेदी महामंत्री, राजकुमार सिंह, सोनू कनौजिया, गोपाल चौधरी, मूलचंद गुप्ता, श्रीमती संगीता माली, जितेंद्र पनिका कि उपस्थिति रही। मंडल क्षेत्र के अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों में श्रीमती संगीता साहू मंडल अध्यक्ष राजनगर महिला मोर्चा, श्रीमती रीना शर्मा संयोजक, सुश्री भारती केवट, श्रीमती सुनीता सिंह, श्रीमती अनीता सिंह, श्रीमती सरला सिंह, श्रीमती राजकुमारी सिंह, श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती पूनम सिन्हा, सुश्री पूजा केवट, श्रीमती आशा जायसवाल, श्रीमती पुष्पा चतुर्वेदी, श्रीमती पप्पी सोनी तथा वार्ड पार्षद, एल्डरमैन, पंच, बूथ अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय पत्रकार एवं महिला मोर्चा पदाधिकारियों, महिला बाल विकास विभाग की श्रीमती सीमा सिंह सुपरवाइजर, एवं श्रीमती बीनू द्विवेदी सुपरवाइजर तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं सहित बड़ी संख्या में महिलाओं और ग्रामीणों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में राजनगर मंडल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को अधिक सशक्त, सुव्यवस्थित एवं जनभागीदारी से समृद्ध बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष संगीता साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, बच्चों की माताएं तथा ग्रामीणजन मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं समग्र विकास की पहली पाठशाला हैं। इन्हीं केंद्रों से बच्चों के स्वस्थ एवं संस्कारयुक्त भविष्य की मजबूत नींव रखी जाती है।

ओपन माइक सत्र में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में गूंजा अंचल का साहित्यिक स्वर

सुनना और सवाल करना बंद होने से आता है सर्व सत्तावाद - उदय प्रकाश

हिन्दी साहित्य सम्मेलन का दो दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'कोतमा साहित्य उत्सव' अभूतपूर्व सहभागिता और सफलता के साथ संपन्न

बुढ़ार।कोतमा- साहित्य, समाज, संस्कृति और समकालीन समय के सवालों को केंद्र में रखकर हिन्दी साहित्य सम्मेलन का दो दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'कोतमा साहित्य उत्सव' साहित्यिक गरिमा, रचनात्मक ऊर्जा और वैचारिक संवाद के साथ अभूतपूर्व सहभागिता में संपन्न हुआ।उत्सव की शुरुआत प्रख्यात कथाकार उदय प्रकाश के गांव सीतापुर में आत्मीय संवाद से हुई। इसके पश्चात देश के विभिन्न हिस्सों से आए साहित्यकारों, कवियों, पत्रकारों और साहित्यप्रेमियों का काफिला कोतमा पहुंचा। शाम को आयोजित औपचारिक उद्घाटन समारोह में साहित्य और समाज से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी साहित्य सम्मेलन अनूपपुर इकाई के सचिव डॉ. कुमार ध्रुव ने किया तथा स्वागत भाषण अध्यक्ष अविनाश अग्रवाल ने दिया। ओपन माइक सत्र में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में युवा रचनाकारों ने दिखाई सृजनात्मक उड़ानउत्सव के दूसरे दिन आयोजित ओपन माइक युवा रचना-पाठ सत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, रीवा, सीधी, बिलासपुर सहित आसपास के अंचलों से आए युवा एवं क्षेत्रीय रचनाकारों ने अपनी कविताओं, गीतों और गजलों का पाठ किया।इस महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता शायर एवं जिला न्यायाधीश श्री हिदायत उल्ला खान ने की, जबकि युवा कवि एवं आलोचक डॉ. संतोष कुमार तिवारी ने रचनाओं पर समीक्षात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की। अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने साहित्य को समाज की संवेदना, स्मृति और चेतना का सशक्त माध्यम बताते हुए युवा एवं क्षेत्रीय रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि अंचल के रचनाकार अपनी मिट्टी, लोकजीवन, संस्कृति और सामाजिक अनुभवों को शब्द देकर साहित्य की व्यापक धारा को समृद्ध करते हैं। इसके पश्चात उन्होंने स्वयं अपनी कविता एवं ग़ज़ल का प्रभावशाली पाठ किया, जिसे उपस्थित श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक सराहा। उनकी अध्यक्षता और रचना-पाठ ने इस सत्र को एक आत्मीय और यादगार साहित्यिक रंग प्रदान किया।





कहानी से कविता तक सजी साहित्य की विविध विधाएं

उत्सव में रचनापाठ के दो प्रमुख सत्र आयोजित हुए। प्रथम दिवस देश के सुविख्यात कहानीकारों ने वरिष्ठ साहित्यकार एवं दुष्यंत संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर की अध्यक्षता में कहानी-पाठ किया। कविता जी (प्रयागराज), मनीष वैद्य (देवास), पराग मांदले (भोपाल), सिनीवाली (नई दिल्ली), डॉ. निधि अग्रवाल (झांसी) और सोनाली पारे (भोपाल) ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। सत्र का संचालन वरिष्ठ कथाकार मनीष वैद्य ने किया।

दूसरे दिन के रात्रिकालीन अंतिम रचना-पाठ सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार राम निहोर तिवारी ने की। इसमें शिव कुमार सिंह, डॉ. मुकेश कुमार, राम नरेश 'निष्ठुर', डॉ. शिवशंकर मिश्र 'सरस', इंदु श्रीवास्तव, दीपक जैन, विवेक चतुर्वेदी, विभूति तिवारी, कुंदन सिद्धार्थ, शेफाली शर्मा और अलंकृति श्रीवास्तव सहित अनेक रचनाकारों ने गीत, नवगीत, ग़ज़ल, नई कविता और हास्य-व्यंग्य की रचनाएं प्रस्तुत कीं। संचालन युवा शायर दीपक अग्रवाल ने किया।प्रख्यात कथाकार उदय प्रकाश ने भारतीय समाज की बहुलतापूर्ण सांस्कृतिक परंपरा पर विचार रखते हुए कहा कि भारत को किसी एक संबोधन, अभिवादन अथवा सांस्कृतिक पहचान में सीमित नहीं किया जा सकता। भारतीय समाज में अभिवादन, सत्कार और संबंधों को पुष्ट करने की अनेक परंपराएं रही हैं।उन्होंने विंध्य, बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अंचल की परंपराओं को किसी एक संकीर्ण परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता।उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण पत्रकार-साहित्यकार डॉ. मुकेश कुमार की पुस्तक 'मीडिया का कैरेक्टर ढीला' का विमोचन रहा। प्रख्यात कथाकार उदय प्रकाश ने पुस्तक का विमोचन किया।इसके साथ ही वरिष्ठ बघेली-हिंदी हास्य-व्यंग्य कवि राम नरेश तिवारी 'निष्ठुर' के दो संग्रह 'निष्ठुर रचना—खंड 1' और 'निष्ठुर रचना—खंड 2' का भी विमोचन किया गया। इन रचनाओं ने उत्सव को लोकभाषा, लोकजीवन और हास्य-व्यंग्य की विशिष्ट रंगत प्रदान की।

स्मृतियों, रिश्तों और साहित्य का उत्सव बना कोतमा

कोतमा साहित्य उत्सव केवल साहित्यिक प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह विंध्य अंचल की सांस्कृतिक स्मृति, स्थानीय रचनात्मकता और राष्ट्रीय साहित्यिक संवाद के मिलन का अवसर बना। उत्सव के दौरान अतिथियों ने मनेन्द्रगढ़ के समीप स्थित अमृतधारा जलप्रपात का भ्रमण भी किया।kआयोजन में उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और आसपास के अंचलों के साहित्यकारों, युवा रचनाकारों, पाठकों और साहित्यप्रेमियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। हिन्दी साहित्य सम्मेलन की उमरिया इकाई के अध्यक्ष योगेश पांडेय, सचिव शिवांश सेंगर, युवा कवि भूपेंद्र त्रिपाठी, आशीष सेंगर, बघेली लोक कवि रावेंद्र शुक्ला तथा वरिष्ठ साहित्यकार द्वारिका प्रसाद अग्रवाल सहित अनेक साहित्यप्रेमियों की सक्रिय उपस्थिति

ईवीएम वेयरहाउस से 24 मशीनें गायब सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल

पुराने तहसील भवन को तोड़ने के दौरान खुला मामला

भौतिक सत्यापन में 8 बैलेट और 16 कंट्रोल यूनिट मिलीं कम

दीवार क्षतिग्रस्त मिलने के बाद पुलिस में शिकायत, अज्ञात के खिलाफ एफआईआर





हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय के पुराने तहसील कार्यालय परिसर में बने ईवीएम वेयरहाउस से 24 मशीनों के गायब मिलने का मामला सामने आने के बाद निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा और रिकॉर्ड संधारण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुराने तहसील भवन को क्षतिग्रस्त होने के कारण हटाने और ईवीएम को नए स्थान पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया के दौरान वेयरहाउस की दीवार क्षतिग्रस्त मिली। इसके बाद मशीनों का भौतिक सत्यापन कराया गया, जिसमें अभिलेखों में दर्ज संख्या और मौके पर उपलब्ध मशीनों में अंतर सामने आया। कुल 24 ईवीएम कम मिलीं। इनमें 8 बैलेट यूनिट और 16 कंट्रोल यूनिट शामिल हैं। मामले में 30 सितंबर को प्राथमिक विद्यालय सीतापुर के सहायक शिक्षक फूल सिंह पिता धना सिंह निवासी कर्राटोला ने तहसीलदार अनूपपुर वेद प्रकाश सिंह तथा प्राथमिक विद्यालय बस्ती के सहायक शिक्षक संजय निगम के साथ कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2014 के पंचायत चुनाव के बाद से वेयरहाउस में थीं मशीनें

शिकायत के अनुसार वर्ष 2014 के स्थानीय निर्वाचन यानी पंचायत चुनाव के बाद बड़ी संख्या में ईवीएम मशीनों को पुराने तहसील कार्यालय के पीछे बने वेयरहाउस में सुरक्षित रखा गया था। रिकॉर्ड के मुताबिक यहां 620 कंट्रोल यूनिट और 1670 बैलेट यूनिट रखी गई थीं। लंबे समय तक मशीनें इसी परिसर में रखी रहीं। पुराना तहसील भवन जर्जर होने के बाद जब उसे हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई तो ईवीएम मशीनों को भी वहां से निकालकर वर्तमान में पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में संचालित तहसील कार्यालय के भूतल स्थित कक्ष क्रमांक 6 में स्थानांतरित किया गया। इसी दौरान पुराने वेयरहाउस की स्थिति और मशीनों के अभिलेखों का मिलान कराया गया।

दीवार क्षतिग्रस्त मिली, फिर शुरू हुआ मशीनों का हिसाब

शिकायत में बताया गया है कि 16 मार्च को ईवीएम हटाने की कार्रवाई के दौरान वेयरहाउस के पीछे की दीवार क्षतिग्रस्त मिली थी। इसके बाद मशीनों की सुरक्षा और उपलब्धता को लेकर सत्यापन शुरू हुआ। मशीनों को 21 सितंबर को नए स्थान पर रखा गया और 24 से 28 सितंबर के बीच उनका भौतिक सत्यापन कराया गया। इसी सत्यापन में 24 मशीनें कम मिलीं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि मशीनें आखिर कब और कैसे गायब हुईं? यदि वे लंबे समय से वेयरहाउस में रखी थीं तो अंतिम बार उनका भौतिक सत्यापन कब हुआ था? वेयरहाउस में प्रवेश और निकासी की निगरानी किसके जिम्मे थी? वहां सुरक्षा व्यवस्था कैसी थी और मशीनों के स्थानांतरण से पहले उनकी संख्या का मिलान क्यों नहीं हुआ, इन सवालों के जवाब जांच में महत्वपूर्ण होंगे।

सीरियल नंबर से तलाशा जाएगा मशीनों का रिकॉर्ड

गायब मिली 8 बैलेट यूनिट और 16 कंट्रोल यूनिट के सीरियल नंबर शिकायत में दर्ज किए गए हैं। अब जांच में इन नंबरों के आधार पर मशीनों के पुराने अभिलेख, आवंटन, भंडारण और सत्यापन संबंधी रिकॉर्ड खंगाले जा सकते हैं। यह भी पता लगाया जाएगा कि मशीनें अंतिम बार कब उपलब्ध पाई गई थीं और उनके बाद वेयरहाउस से संबंधित रिकॉर्ड में क्या-क्या प्रविष्टियां की गईं। मामले का एक अहम पहलू यह भी है कि जब पुराने तहसील भवन को क्षतिग्रस्त घोषित कर उसे हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, तब ईवीएम वेयरहाउस में रखी निर्वाचन सामग्री को पहले ही सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं स्थानांतरित किया गया? यदि वेयरहाउस की दीवार क्षतिग्रस्त मिली थी तो वहां रखी संवेदनशील निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा के लिए तत्काल क्या कदम उठाए गए? इन सवालों का जवाब प्रशासनिक रिकॉर्ड और जांच से सामने आना बाकी है।

जांच का दायरा केवल चोरी तक सीमित नहीं

पुलिस ने फिलहाल अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि 24 मशीनें वास्तव में चोरी हुईं, वे कब गायब हुईं और वेयरहाउस की सुरक्षा में किस स्तर पर चूक हुई। इसके साथ ही ईवीएम के भंडारण, सुरक्षा, रिकॉर्ड संधारण, समय-समय पर हुए सत्यापन और स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया की भी पड़ताल महत्वपूर्ण होगी। जब तक जांच पूरी नहीं होती, 24 मशीनों के गायब होने के कारण और जिम्मेदारी को लेकर अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

इनका कहना है

शिकायत मिलने और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।
उमेश उपाध्याय
कोतवाली निरीक्षक, अनूपपुर

श्राद्ध की थाली सजी, कौए का इंतजार बढ़ा

कई परिवारों का कहना अब पहले जैसी आसानी से नजर नहीं आते कौए



हरिभूमि न्यूज कोतमा। श्राद्ध पक्ष शुरू होते ही घरों में पितरों के निमित्त भोजन तैयार किया जा रहा है। परंपरा के अनुसार कई परिवार भोजन का एक हिस्सा कौए के लिए रखते हैं और उसके आने की प्रतीक्षा करते हैं। स्थानीय लोगों और बुजुर्गों का कहना है कि पहले की तुलना में अब कई इलाकों में कौए कम दिखाई देते हैं और श्राद्ध के दौरान उनके आने में भी अधिक समय लग जाता है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर कौओं की संख्या में कमी को लेकर कोई ठोस सर्वेक्षण या आंकड़ा उपलब्ध नहीं होने से इसे निश्चित तौर पर संख्या में गिरावट कहना उचित नहीं होगा। कभी घरों की छतों, आंगनों और आसपास के पेड़ों पर कौओं की मौजूदगी आम मानी जाती थी। श्राद्ध के दिनों में भोजन रखने के बाद कुछ ही समय में कौए के पहुंचने की याद आज भी बुजुर्गों के जेहन में है। अब कई परिवारों को इंतजार के दौरान कबूतर, मैना और दूसरे पक्षी दिखाई देते हैं, जबकि कौआ देर से पहुंचता है या कई बार नजर ही नहीं आता। पर्यावरण से जुड़े जानकारों के अनुसार, किसी क्षेत्र में पक्षियों की मौजूदगी पर पेड़ों की उपलब्धता, घोंसले के सुरक्षित स्थान, भोजन के स्रोत, शहरीकरण और कचरा प्रबंधन जैसे कई कारकों का असर पड़ सकता है। हालांकि, कोतमा क्षेत्र में कौओं की संख्या पर इन कारणों के प्रभाव को लेकर अलग से अध्ययन या आंकड़ों की पुष्टि जरूरी होगी। कौआ शहरी और ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक अवशेषों को खाने वाले पक्षियों में शामिल है। इसलिए इसकी स्थानीय मौजूदगी में बदलाव को लेकर पर्यावरणीय दृष्टि से भी अध्ययन उपयोगी हो सकता है। श्राद्ध में कौए को भोजन कराने की परंपरा धार्मिक आस्था से जुड़ी है। कई परिवार कौए के भोजन ग्रहण करने को पितरों तक अर्पण पहुंचने का प्रतीक मानते हैं। इसी कारण श्राद्ध के दिनों में कौए का इंतजार भावनात्मक महत्व रखता है। फिलहाल स्थानीय स्तर पर सबसे स्पष्ट बात यही सामने आती है कि कई लोगों को अपने आसपास पहले की तुलना में कौए कम दिखाई देने का अनुभव हो रहा है। क्या वास्तव में उनकी संख्या घटी है, इसके लिए क्षेत्रवार सर्वेक्षण और दीर्घकालिक आंकड़ों की जरूरत होगी। यही सवाल इस पारंपरिक प्रतीक को पर्यावरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बना देता है।

जैतहरी में अवैध निर्माण पर नगर परिषद का शिकंजा

सीएमओ के नेतृत्व में पहुंची टीम, निर्माण सामग्री जब्त कर दी नियमों के पालन की हिदायत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।



नगर परिषद जैतहरी ने नगर क्षेत्र में नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माण कार्यों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 3 में निर्माण कार्य की शिकायत और मौके की जांच के बाद नगर परिषद की टीम ने कार्रवाई करते हुए निर्माण सामग्री जब्त कर ली। कार्रवाई मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 3 में रमेश कुमार राठौर द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा था। नगर परिषद की टीम मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य से संबंधित आवश्यक अनुमति एवं नियमों की स्थिति की जांच की। जांच के दौरान निर्माण कार्य नियमों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर परिषद की टीम ने मौके पर रखी निर्माण सामग्री को जब्त कर लिया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में नगर परिषद की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण की स्थिति देखी गई और संबंधित पक्ष को नगर परिषद के नियमों के अनुरूप ही निर्माण कराने की हिदायत दी गई। कार्रवाई के दौरान अमितेश मिश्रा सहित नगर परिषद के कर्मचारी मौजूद रहे। नगर परिषद की कार्रवाई से स्पष्ट है कि नगर सीमा में बिना आवश्यक अनुमति या नियमों के विपरीत निर्माण किए जाने पर परिषद कार्रवाई कर सकती है। परिषद अधिकारियों ने नागरिकों से भवन निर्माण शुरू करने से पहले आवश्यक अनुमति और स्वीकृति लेने की अपील की है, ताकि बाद में कार्रवाई की स्थिति न बने। नगर परिषद के अधिकारियों के अनुसार नगर क्षेत्र में नियम विरुद्ध निर्माण गतिविधियों पर निगरानी आगे भी जारी रहेगी। विभिन्न वार्डों में निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर नियमों की स्थिति जांची जाएगी और उल्लंघन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

660 मेगावाट की नई इकाई के टर्बाइन स्थल पर पीसीसी कार्य शुरू

चचाई अमरकंटक ताप विद्युत गृह में निर्माण कार्य ने पकड़ी गति

एमपीपीजीसीएल और भेल के वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज चचाई।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अमरकंटक ताप विद्युत गृह (एटीपीएस) चचाई में निर्माणाधीन 1×660 मेगावाट नवीन सुपरक्रिटिकल इकाई के निर्माण कार्य में एक और महत्वपूर्ण चरण शुरू हो गया है। परियोजना के टर्बाइन स्थल पर पीसीसी (प्लेन सीमेंट कंक्रीट) कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्युत गृह एवं परियोजना से जुड़े अधिकारियों के साथ भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। कंपनी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार टर्बाइन साइट पर पीसीसी कार्य का प्रारंभ परियोजना के निर्माण क्रम में महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह कार्य आगे होने वाले प्रमुख सिविल तथा टर्बाइन से संबंधित निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक आधार तैयार करेगा। इसके साथ ही परियोजना के विभिन्न निर्माण चरणों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद है। पीसीसी कार्य के शुभारंभ अवसर पर विद्युत गृह



के कार्यपालन निदेशक तन्नवीर अहमद सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजीव गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता विजय देव, अधीक्षण अभियंता (सिविल) सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं भेल की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर विजय कुमार, डीजीएम राजेश कुमार सहित परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

660 मेगावाट क्षमता की यह नवीन सुपरक्रिटिकल इकाई अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई की विद्युत उत्पादन क्षमता के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण परियोजना है। टर्बाइन स्थल पर पीसीसी कार्य शुरू होने के साथ अब इस क्षेत्र में आगे के सिविल और टर्बाइन संबंधी निर्माण कार्यों के लिए आधार तैयार किया जा रहा है। पीसीसी कार्य किसी भी बड़े औद्योगिक संयंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण माना जाता है, क्योंकि इसके बाद संबंधित संरचनाओं की नींव और अन्य निर्माण गतिविधियों को क्रमवार आगे बढ़ाया जाता है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी प्रक्रियाओं और मानकों के अनुरूप आगे बढ़ाया जा रहा है। टर्बाइन साइट पर कार्य शुरू होने से परियोजना के निर्माण क्रम में एक महत्वपूर्ण गतिविधि जुड़ गई है। परियोजना के निर्माण में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी और भेल के अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पीसीसी कार्य के शुभारंभ अवसर पर दोनों संस्थानों के अधिकारियों की मौजूदगी से परियोजना के निर्माण कार्यों में आपसी समन्वय भी सामने आया। मौके पर अधिकारियों ने चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया तथा निर्माण से संबंधित गतिविधियों की जानकारी ली। 660 मेगावाट की इस इकाई के टर्बाइन स्थल पर पीसीसी कार्य की शुरुआत को परियोजना के निर्माण में आगे बढ़े महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले चरणों में इसी आधार पर टर्बाइन एवं अन्य प्रमुख संरचनाओं से जुड़े निर्माण कार्य आगे बढ़ेंगे।

सुनना और सवाल करना बंद होने से आता है सर्व सत्तावाद-उदय प्रकाश

कोतमा साहित्य उत्सव अभूतपूर्व सहभागिता और सफलता के साथ संपन्न

जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में गूंजा अंचल का साहित्यिक स्वर

हरिभूमि न्यूज कोतमा/अनूपपुर। साहित्य, समाज, संस्कृति और समकालीन समय के सवालों को केंद्र में रखकर हिन्दी साहित्य सम्मेलन का दो दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'कोतमा साहित्य उत्सव' साहित्यिक गरिमा, रचनात्मक ऊर्जा और वैचारिक संवाद के साथ अभूतपूर्व सहभागिता में संपन्न हुआ। उत्सव की शुरुआत प्रख्यात कथाकार उदय प्रकाश के गांव सीतापुर में आत्मीय संवाद से हुई। इसके पश्चात देश के विभिन्न हिस्सों से आए साहित्यकारों, कवियों, पत्रकारों और साहित्यप्रेमियों का काफिला कोतमा पहुंचा। शाम को आयोजित औपचारिक उद्घाटन समारोह में साहित्य और समाज से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी साहित्य सम्मेलन अनूपपुर इकाई के सचिव डॉ. कुमार ध्रुव ने किया तथा स्वागत भाषण अध्यक्ष अविनाश अग्रवाल ने दिया। ओपन माइक सत्र में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में युवा रचनाकारों ने दिखाई सृजनात्मक उड़ान' उत्सव के दूसरे दिन आयोजित ओपन माइक युवा रचना-पाठ सत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, रीवा, सीधी, बिलासपुर सहित आसपास के अंचलों से आए युवा एवं क्षेत्रीय रचनाकारों ने अपनी कविताओं, गीतों और गजलों का पाठ किया। इस महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता शायर एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने की, जबकि युवा कवि एवं आलोचक डॉ. संतोष कुमार तिवारी ने रचनाओं पर समीक्षात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की। अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने साहित्य को समाज की संवेदना, स्मृति और चेतना का सशक्त माध्यम बताते हुए युवा एवं क्षेत्रीय रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि अंचल के रचनाकार अपनी मिट्टी, लोकजीवन, संस्कृति और सामाजिक अनुभवों को शब्द देकर साहित्य की व्यापक धारा को समृद्ध करते हैं। इसके पश्चात उन्होंने स्वयं अपनी कविता एवं गजल का प्रभावशाली पाठ किया, जिसे उपस्थित श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक सराहा। उनकी अध्यक्षता और रचना-पाठ ने इस सत्र को एक आत्मीय और यादगार साहित्यिक रंग प्रदान किया। कहानी से कविता तक सजी साहित्य की विविध विधाएं



उत्सव में रचनापाठ के दो प्रमुख सत्र आयोजित हुए। प्रथम दिवस देश के सुविख्यात कहानीकारों ने वरिष्ठ साहित्यकार एवं दुर्घटना संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर की अध्यक्षता में कहानी-पाठ किया। कविता (प्रयागराज), मनीष वैद्य (देवास), पराग मांदले (भोपाल), सिनीवाली (नई दिल्ली), डॉ. निधि अग्रवाल (झांसी) और सोनाली पारे (भोपाल) ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। सत्र का संचालन वरिष्ठ कथाकार मनीष वैद्य ने किया। दूसरे दिन के रात्रिकालीन अंतिम रचना-पाठ सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार राम निहोर तिवारी ने की। इसमें शिव कुमार सिंह, डॉ. मुकेश कुमार, राम नरेश 'निष्ठुर', डॉ. शिवशंकर मिश्र 'सरस', इंदु श्रीवास्तव, दीपक जैन, विवेक चतुर्वेदी, विभूति तिवारी, कुंदन सिद्धार्थ, शेफाली शर्मा और अलंकृति श्रीवास्तव सहित अनेक रचनाकारों ने गीत, नवगीत, गजल, नई कविता और हास्य-व्यंग्य की रचनाएं प्रस्तुत कीं। संचालन युवा शायर दीपक अग्रवाल ने किया। प्रख्यात कथाकार उदय प्रकाश ने भारतीय समाज की बहुलतापूर्ण सांस्कृतिक परंपरा पर विचार रखते हुए कहा कि भारत को किसी एक संबोधन, अभिवादन अथवा सांस्कृतिक पहचान में सीमित नहीं किया जा सकता। भारतीय समाज में अभिवादन, सत्कार और संबंधों को पुष्ट करने की अनेक



परंपराएं रही हैं। उन्होंने विंध्य, बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अंचल की परंपराओं को किसी एक संकीर्ण परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता। उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण पत्रकार-साहित्यकार डॉ. मुकेश कुमार की पुस्तक 'मीडिया का कैरेक्टर ढीला' का विमोचन रहा। प्रख्यात कथाकार उदय प्रकाश ने पुस्तक का विमोचन किया। इसके साथ ही वरिष्ठ बघेली-हिंदी हास्य-व्यंग्य कवि राम नरेश तिवारी 'निष्ठुर' के दो संग्रह 'निष्ठुर रचना खंड 1' और 'निष्ठुर रचना खंड 2' का भी विमोचन किया गया। इन रचनाओं ने उत्सव को लोकभाषा, लोकजीवन और हास्य-व्यंग्य की विशिष्ट रंगत प्रदान की।

स्मृतियों, रिश्तों और साहित्य का उत्सव बना कोतमा

कोतमा साहित्य उत्सव केवल साहित्यिक प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह विंध्य अंचल की सांस्कृतिक स्मृति, स्थानीय रचनात्मकता और राष्ट्रीय साहित्यिक संवाद के मिलन का अवसर बना। उत्सव के दौरान अतिथियों ने मनेन्द्रगढ़ के समीप स्थित अमृतधारा जलप्रपात का भ्रमण भी किया। आयोजन में उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और आसपास के अंचलों के साहित्यकारों, युवा रचनाकारों, पाठकों और साहित्यप्रेमियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। हिन्दी साहित्य सम्मेलन की उमरिया इकाई के अध्यक्ष योगेश पांडेय, सचिव शिवांश सेंगर, युवा कवि भूपेंद्र त्रिपाठी, आशीष सेंगर, बघेली लोक कवि रावेंद्र शुक्ला तथा वरिष्ठ साहित्यकार द्वारिका प्रसाद अग्रवाल सहित अनेक साहित्यप्रेमियों की सक्रिय उपस्थिति रही। आयोजकों ने कहा कि कोतमा साहित्य उत्सव का उद्देश्य अंचल में साहित्यिक संवाद की निरंतरता बनाए रखना तथा स्थानीय और राष्ट्रीय साहित्यिक परिदृश्य के बीच एक जीवंत सेतु निर्मित करना है। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के संरक्षक मंडल के सदस्य पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल, समन्वयक संतोष कुमार द्विवेदी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष इकबाल हुसैन बोहरा, देवेश सिंह गहरवार, ऋषभ जैन चंदेरिया, राजकुमार गोयनका, एड, अमरेंद्र सिंह परिहार, एड, धीरेंद्र जैन, पल्लवी अग्रवाल, मो. यासीन, कैलाश पाटकर, केके सोनी सहित अनेक सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन को लेकर एसडीएम से शिकायत, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्ट्रेट कार्यालय अनूपपुर के समक्ष 30 सितंबर को हुए आंदोलन एवं प्रदर्शन को लेकर अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) से शिकायत कर विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता भूपेंद्र सिंह सेंगर सहित अन्य लोगों ने 1 अक्टूबर को आवेदन सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की।



शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट कार्यालय के समक्ष आंदोलन एवं प्रदर्शन आयोजित किया गया था। आवेदन के अनुसार प्रदर्शन के लिए प्रशासन से पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। प्रदर्शन के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/माइक) का उपयोग करते हुए तेज आवाज में नारेबाजी किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। आवेदन में कहा गया है कि प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) एवं उसके स्वयंसेवकों के संबंध में कथित रूप से अभद्र, अश्लील, भ्रामक एवं अपमानजनक टिप्पणियां की गईं। शिकायतकर्ताओं ने इसे सामाजिक सौहार्द और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाला कृत्य बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में एसडीएम से बिना अनुमति आंदोलन आयोजित करने तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के कथित अवैध प्रयोग के संबंध में कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। साथ ही आरएसएस एवं उसके स्वयंसेवकों के विरुद्ध कथित अभद्र टिप्पणी कर शांति भंग करने के प्रयास के आरोप में गुड्डू चौहान सहित संबंधित लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ताओं ने क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी आग्रह किया है।